अनुक्रमणिका

क्रम. सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भाषा और व्याकरण (Language and Grammar)	7
2.	वर्ण-विचार (Phonology)	13
3.	शब्द-विचार (Morphology)	18
4.	संज्ञा (Noun)	25
5.	लिंग (Gender)	31
6.	वचन (Number)	37
7.	सर्वनाम (Pronoun)	43
8.	विशेषण (Adjective)	52
9.	क्रिया (Verb)	60
10.	काल (Tense)	68
11.	संधि (Joining)	73
12.	समास (Compound)	82
13.	कारक (Case)	90
14.	उपसर्ग (Prefix)	98
15.	प्रत्यय (Suffix)	104
16.	मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ (Idioms & Proverbs)	110
17.	शब्द-भंडार (Word-Vocabulary)	118
18.	वाक्य-विचार (The Sentence)	126
19.	अशुद्ध वाक्यों का शोधन (Correction of Incorrect Sentences)	132
20.	चित्र-वर्णन (Picture Description)	137
	स्वमूल्यांकन पत्र-1	141
	स्वमूल्यांकन पत्र-2	143

EDITONE INTERNATIONAL

भाषा और व्याकरण
(Language and Grammar)

पढ़िए और समझिए

बच्चो! दिए गए चित्र देखिए।

बालक गाना गाने का संकेत कर रहा है।

ट्रैफिक पुलिस यातायात रोकने के लिए संकेत देते हुए।

चिड़ियाँ चीं-चीं कर रहीं हैं।

दादा जी टीवी देख रहे हैं।

श्यामा पत्र लिख रही है।

अध्यापिका पढ़ा रही हैं।

उपरोक्त चित्रों को आपने देखा। इसमें एक बच्चा संकेत करके गाना गा रहा है। दूसरे चित्र में ट्रैफिक पुलिस द्वारा यातायात चलने/रुकने का संकेत किया जा रहा है। कुछ चिड़ियाँ आपस में 'चीं-चीं' करके बातें कर रहीं हैं। वहीं दादा जी टी.वी. में समाचार देख-सुन रहे हैं। श्यामा अपनी नानी को पत्र लिख रही है। अध्यापिका जी बच्चों को बोलकर और श्यामपट् पर लिखकर पाठ पढ़ा रही हैं।

इन सभी चित्रों में समझने, जानने, दूसरों को समझाने, उन्हें सूचनाएँ देने का कार्य हो रहा है। इन सब कार्यों को हिंदी भाषा में **संप्रेषण** (Communication) कहते हैं। इसे ही **भाषा** कहा जाता है। इसे हम इस रूप में भी कह सकते हैं कि–

विचारों एवं भावों की अभिव्यक्ति का बोलकर, सुनकर, लिखकर, पढ़कर आदान-प्रदान करना भाषा कहलाता है।

अब यहाँ प्रश्न यह है कि हम किस-किस को भाषा कहेंगे और किसे भाषा की श्रेणी में नहीं रखेंगे। बच्चो! पहले जब लोगों को भाषा नहीं मालूम थी, तो लोग संकेतों के माध्यम से एवं शारीरिक भाव-भंगिमाओं से बातचीत करते थे। वैसे ही जैसे आजकल हम लोग चिड़ियों को शोर मचाते, पशुओं को बोलते एवं एक-दूसरे को चाटकर प्रेम प्रकट करते देखते हैं। अब आप यह जानिए कि भाषा का यही सांकेतिक स्वरूप धीरे-धीरे अपरिपक्व रूप में बातचीत या संप्रेषण का साधन बना है। फिर भाषा के विकास से धीरे-धीरे यह स्वरूप कई तरह की बोलियों से होता हुआ भाषा की शुद्धता की ओर अग्रसर हुआ। यदि मनुष्य और बाकी प्राणियों के बीच भाषा की तुलना की जाए, तो केवल मनुष्य ही ऐसा प्राणी है जो अपनी बात को समझा या सुना सकता है।

यदि हम भाषा के रूप की बात करें, तो इसके दो रूप हमारे सामने मुख्य रूप से हैं– मौखिक तथा लिखित।

मौखिक भाषा: इसमें भाषा का वह स्वरूप शामिल है, जो केवल कहा या सुना जा सकता है। इसमें सुनना तथा बोलना सम्मिलित किया जाता है।

लिखित भाषा: साधारणत: सुनने या बोलने से हम थोड़े समय बाद वह भूलने लगते है। इसलिए हम सब इसे स्थायित्व लिपिबद्धता प्रदान करने के लिए उनको लिखने लगे। कागज़ के आविष्कार के पूर्व इसे भोजपत्र, ताम्रपत्र, ताड़पत्र पर लिखते थे। कागज़ के आविष्कार के बाद इसे उस पर लिखकर सुरक्षित रखा गया। समय बीतने के साथ तकनीकी विकास के बाद अब कंप्यूटर की हार्डडिस्क में डाटा सुरक्षित रखा जाता है। इससे भी बढ़कर अब वेब में यानी कि शून्य में डाटा को सुरक्षित रखा जाता है। लिखित भाषा में पढ़ना तथा लिखना शामिल हैं।

भाषा और बोली: भाषा जहाँ एक ओर विस्तृत क्षेत्र में बोली जाती है वहीं बोली या उपभाषा एक सीमित क्षेत्र में बोली जाती है। भाषा का लिखित रूप होता है जबकि बोली का कोई लिखित रूप नहीं होता। अवधी और ब्रज ऐसी बोलियाँ हैं जिनके साहित्य की रचना भी हुई है।

कोस-कोस पर बदले पानी ।
तीन कोस पर बदले बानी ॥

हमारा देश विविध धर्मों को मानने वाला व अनेक संप्रदायों को मानता है, इसलिए यहाँ पर बोलियाँ भी बहुत हैं; जैसे-

अवधी	मारवाड़ी	कन्नौजी
राजस्थानी	बघेली	बुंदेली
भोजपुरी	कुमाऊँनी	गढ़वाली
मारवाड़ी	हरियाणवी	पूरबी

हिंदी भाषा: हिंदी भाषा का उद्भव संस्कृत भाषा के तद्भव से हुआ है। इसे तद्भव रूप में जन-सामान्य की भाषा बनाने के लिए अपनाया गया। मुगलों के काल में ही हिंदी भाषा अधिक विभाजित होती रही। पुन: वर्तमान में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 के अंतर्गत हिंदी को भारत के संवैधानिक स्वरूप की मान्यता मिली और प्रत्येक 14 सितंबर को हम हिंदी दिवस मनाते हैं। भारत में 6500 भाषाएँ बोली जाती हैं। सभी यूरोपीय भाषाएँ रोमन लिपि पर आधारित हैं।

भारतीय संविधान में अब तक 22 भाषाओं को मान्यता प्रदान की गई है। वे हैं-

1. हिंदी 2. असमिया 3. बांगला 4. डोगरी 5. बोडो 6. उर्दू 7. नेपाली 8. गुजराती 9. कन्नड़ 10. कश्मीरी 11. कोंकणी 12. मैथिली 13. मलयालम 14. मराठी 15. मणिपुरी 16. ओड़िया 17. पंजाबी 18. संस्कृत 19. संथाली 20. सिंधी 21. तमिल 22. तेलुगू।

राष्ट्रभाषा: जिस भाषा को अधिकांश लोग बोलते हैं, उसे **राष्ट्रभाषा** कहा जाता है। यही एक ऐसी भाषा है जो कि समूचे भारत में अधिकांश रूप में बोली जाती है। जहाँ तक हिंदी को राष्ट्रभाषा मानने का प्रश्न है, यह वह सभी आवश्यक शर्तें पूरी करती है, जो एक राष्ट्रभाषा मानने के लिए पर्याप्त है, किंतु अनेक प्रयासों के बावजूद इसे अभी तक संविधान द्वारा राष्ट्रीय या राष्ट्रभाषा का स्वरूप प्राप्त नहीं हो सका है।

लिपि: किसी भी भाषा को लिखने के चिह्न या व्यवस्थित ढंग को **लिपि** कहते हैं। लिपि के माध्यम से ही भाषाएँ लिखी जाती हैं। हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी है। इसकी वर्णमाला इस प्रकार है–

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण	(ड़, ढ़)	
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			
क्ष	त्र	ज्ञ	श्र			

कुछ भाषाओं की लिपियाँ हैं–

भाषा	लिपि	भाषा	लिपि
हिंदी	देवनागरी	चीनी	चीनी (मंदारिन)
संस्कृत	देवनागरी	जापानी	कानोलिपि (जापानी)
गुजराती	गुजराती	बांग्ला	बंगाली
अंग्रेज़ी	रोमन	पंजाबी	गुरुमुखी
उर्दू	फारसी	मणिपुरी	मैतेई

व्याकरण (Grammar)

नीचे बने चित्र देखिए और उनकी बातें सुनकर मज़े लीजिए–

अरे सुरभि! तेरे को आज तेरी मम्मी पास जाने का है न?

हाँ, ऋषि! मेरे को जाने को माँगता पर अभी नहीं जाने का।

बच्चो! पढ़कर मज़ा आ गया न? आपको हँसी भी आ रही होगी। अब उनकी ये बातें पढ़िए–

अरे सुरभि! आज तुम्हें अपनी मम्मी के पास जाना था न?

हाँ, ऋषि मुझे जाना तो था पर अभी नहीं जाऊँगी।

अध्यापन संकेत बच्चों को भाषा और बोली का अंतर बताते हुए राजभाषा हिंदी का महत्व समझाएँ।

यह संवाद शुद्ध भाषा पर आधारित है। व्याकरण के व्यवस्थित ढंग से भाषा को शुद्ध रूप में लिखा या पढ़ा जा सकता है जिसे व्याकरण द्वारा करना ही संभव है। अत: हम कह सकते हैं कि–

भाषा को शुद्ध रूप से बोलना, पढ़ना व लिखना व्याकरण द्वारा होता है।

व्याकरण के लाभ:

- व्याकरण भाषा को ठीक करता है।
- व्याकरण भाषा को व्याकरणिक नियमों की कसौटी पर कसके ही उसे शुद्धता प्रदान करता है।
- व्याकरण भाषा को सिखाता नहीं है बल्कि उसे शुद्ध रूप प्रदान करके लिपिबद्ध करता है।

आइए, पुनरावृति करें

भाषा – भाषा द्वारा हम अपनी बात दूसरों को बताते तथा दूसरों की बात स्वयं समझते हैं। दूसरों की बात समझना एवम् अपनी बात को समझाना भाषा द्वारा ही मुमकिन है।

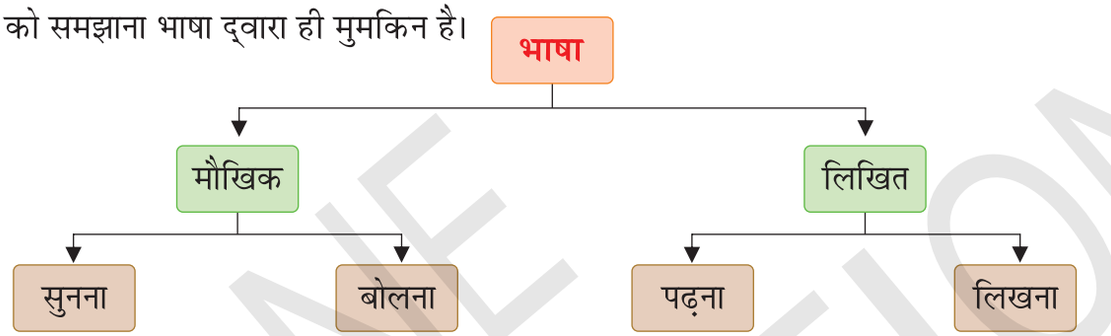

(सुनकर-पढ़कर स्वयं समझते हैं)

(बोलकर-लिखकर दूसरों को बताते हैं)

बोली – यह अपेक्षाकृत सीमित क्षेत्र में बोली जाती है। इसमें कोई साहित्य नहीं लिखा होता है।

- भारतीय संविधान में कुल 22 भाषाओं को मान्यता प्रदान की गई है।
- हिंदी को संविधान में **राजभाषा** का स्थान दिया गया है।
- प्रत्येक 14 सितंबर को भारत में **हिंदी दिवस** मनाया जाता है।
- **लिपि** – भाषा को लिखने के चिह्न या ढंग लिपि कहलाते हैं।
- **व्याकरण –** व्याकरण भाषा को शुद्धता प्रदान करता है।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) भाषा किसे कहते हैं?

(ख) भाषा के कितने रूप हैं?

EDITION INTERNATIONAL

(ग) लिपि किसे कहते हैं?

(घ) भाषा और बोली में क्या अंतर है?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए चित्र को पहचान कर भाषा के रूप लिखिए।

....

2. दी गई भाषाओं को उनकी बोलियों के साथ मिलाइए।

हरियाणवी	भाषा	मेवाड़ी
कोंकणी		मैथिली
बघेली		कुमाऊँनी
डोगरी		बोडो
छत्तीसगढ़ी	बोली	चीनी

3. दिए गए वाक्यों के सामने सही (✓) या गलत (✗) के निशान लगाइए।

(क) हिंदी की लिपि देवनागरी में भाषा के दो रूप होते हैं। ☐

(ख) कुमाऊँनी एक सुंदर भाषा है। ☐

(ग) भारतीय संविधान में 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। ☐

(घ) हिंदी हमारी राजभाषा है। ☐

(ङ) भारत में 6500 बोलियाँ बोली जाती हैं। ☐

(च) ई–मेल करना लिखित भाषा का रूप है। ☐

(छ) भाषा का लिखित रूप लिपिबद्ध नहीं होता है। ☐

(ज) संकेत को भी भाषा माना गया है। ☐

4. भाषा और बोली में क्या अंतर है? विस्तार से वर्णन कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

EDUTONE INTERNATIONAL

सोचें-विचारें

Critical Thinking

5. यदि भाषा को केवल सांकेतिक रूप में ही संप्रेषण का माध्यम बनाया जाता तो हमें विचारों, भावों की अभिव्यक्ति के लिए क्या-क्या चुनौतियाँ आती?

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

6. 'माँ' को अलग-अलग बोली में क्या-क्या पुकारना चाहेंगे?

....

....

7. अध्यापिका श्यामपट्ट पर एक-एक शब्द लिखकर बच्चों से अलग-अलग भाषाओं में पूछें।

8. अपने मित्रों के नाम लिखिए। उनके सामने लिखिए कि वे कहाँ के हैं और कौन-सी उनकी मातृभाषा है?

छात्र/छात्रा का नाम	कहाँ के मूल निवासी हैं?	मातृभाषा
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

प्रेरणादायक मूल्य

प्रत्येक भाषा, बोली का करो सम्मान,
समृद्ध देश की यही पहचान।

EDUCATIONAL INTERNATIONAL

अध्याय 2

वर्ण–विचार (Phonology)

पढ़िए और समझिए

दिए गए चित्र देखिए और उनके नीचे लिखे वाक्यों को पढ़िए।

पार्क खुल गया है।

बच्चे झूला झूल रहे हैं।

नृत्यांगना नृत्य सिखा रही हैं।

उपरोक्त लिखे गए वाक्य अनेक शब्दों से बने हैं। ये सभी शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त किए जाते हैं, तो उन्हें 'पद' कहा जाता है। ये सभी शब्द ध्वनियों से बने होते हैं।

वर्ण: ध्वनियाँ ही वर्ण कहलाती हैं। वर्ण ध्वनि की सबसे छोटी इकाई होते हैं। उनके आगे और टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं; जैसे– झूला = झ् + ऊ + ल् + आ

वर्णमाला

हमारी हिंदी की वर्णमाला में कुल 52 वर्ण होते हैं, जो ये हैं–

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	}	स्वर एवं अं, अः अयोगवाह
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः			
क	ख	ग	घ	ङ		→	कवर्ग	व्यंजन
च	छ	ज	झ	ञ		→	चवर्ग	
ट	ठ	ड	ढ	ण	(ड़, ढ़)	→	टवर्ग	
त	थ	द	ध	न		→	तवर्ग	
प	फ	ब	भ	म		→	पवर्ग	
य	र	ल	व			→	अंत:स्थ व्यंजन	
श	ष	स	ह			→	ऊष्म व्यंजन	
क्ष	त्र	ज्ञ	श्र			→	संयुक्त व्यंजन	

वर्णों के मूलतः दो भेद होते हैं– स्वर तथा व्यंजन।

स्वरः ऐसे वर्ण जिनके उच्चारण में किसी अन्य वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती है, बल्कि उनका उच्चारण स्वतंत्र ध्वनियों द्वारा किया जाता है, वे स्वर कहलाते हैं। इनकी संख्या ग्यारह है– अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ तथा औ।

स्वर के तीन भेद होते हैं–

(क) ह्रस्व स्वर (ख) दीर्घ स्वर तथा (ग) प्लुत स्वर।

(क) **ह्रस्व स्वरः** जिन स्वरों के उच्चारण में सबसे कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व (छोटा) स्वर कहते हैं। इनकी संख्या चार है– अ, इ, उ तथा ऋ।

(ख) **दीर्घ स्वरः** जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वरों का दोगुना समय लगता है, वे दीर्घ (बड़े) स्वर कहलाते हैं। इनकी संख्या सात है– आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ तथा औ।

(ग) **प्लुत स्वरः** यह अलग से कोई स्वर नहीं है, बल्कि उच्चारण के समय को लेकर यह भेद किया गया है। इसके उच्चारण में ह्रस्व स्वर का तीन गुना समय लगता है। इसलिए इसके अंत में हिंदी में संख्या '३' लिख दी जाती है। यह किसी को बुलाने या दूर के व्यक्ति को पुकारने के लिए प्रयुक्त होता है; जैसे–ओ३म, आओ३, राम३, मोहन३ आदि।

अयोगवाहः (अं, अः)–ये दोनों वर्ण अयोगवाह के रूप में जाने जाते हैं। ये न तो स्वर होते हैं और न तो व्यंजन होते हैं।

अनुस्वारः इसका चिह्न शिरोरेखा पर बिंदु (ं) है। यह प्रायः सभी पंचम वर्णों (ङ्, ञ्, ण्, न्, म्) के बाद यदि उन्हीं के वर्ग का पहले चार वर्णों में से कोई आता है, तो वहाँ इसका प्रयोग किया जाता है; जैसे–

क् + अ + ङ् (पंचम वर्ण) + घ् (कवर्ग का चौथा वर्ण) + आ = कंघा।

च् + अ + म् (पंचम वर्ण) + प् (पवर्ग का पहला वर्ण) + अ + क् + अ = चंपक।

ग् + अ + ङ् (पंचम वर्ण) + ग् (कवर्ग का तीसरा वर्ण) + आ = गंगा।

च् + अ + न् (पंचम वर्ण) + द् (तवर्ग का तीसरा वर्ण) + अ + न् + अ = चंदन।

घ् + अ + ण् (पंचम वर्ण) + ट् (टवर्ग का पहला वर्ण) + आ = घंटा।

श तथा स वर्ण के पहले कोई भी पंचम वर्ण आता है, तो वह अनुस्वार में बदल जाता है; जैसे–

अ + न् (पंचम वर्ण) + श् + अ = अंश।

ह + न् (पंचम वर्ण) + स् + अ = हंस।

विसर्गः इस ध्वनि का चिह्न (:) एवं उच्चारण 'ह' है। ये शब्द मूलतः संस्कृत भाषा के मूल शब्द होते हैं; जैसे– अतः, प्रातः, नमः आदि।

EDITION INTERNATIONAL

आगत ध्वनियाँ: ये वे ध्वनियाँ होती हैं, जो मूलत: विदेशी भाषा से आई हैं। हिंदी में उनके शुद्ध-अशुद्ध उच्चारण के लिए इन ध्वनियों का प्रयोग किया जाता है; जैसे–

डॉल, बॉल, कॉलेज, डॉक्टर, फ्रॉक आदि।

(ज़) – सज़ा, मज़ा, राज़, ख़ाना आदि।

(फ़) – साफ़, फ़न, फ़ना आदि।

व्यंजन: जिन वर्णों के उच्चारण करते हुए हवा मुँह के अलग-अलग हिस्सों से टकराकर निकलती है, वे व्यंजन कहलाते हैं। इन्हें स्वरों की सहायता से बोला जाता है। हिंदी में 33 मुख्य व्यंजन होते हैं।

उच्चारण के आधार पर व्यंजन के तीन भेद होते हैं।

(अ) स्पर्श व्यंजन (ब) अंतस्थ व्यंजन (स) ऊष्म व्यंजन

संयुक्त व्यंजन: इस व्यंजन में एक वर्ण का निर्माण किसी दो व्यंजन वर्णों के संयोग से होता है; जैसे–

क्ष = क् + ष, त्र = त् + र ज्ञ = ज् + ञ श्र = श् + र

द्वित्व व्यंजन: ऐसे शब्द जिनमें एक ही व्यंजन दो बार प्रयुक्त होता है, वे **द्वित्व व्यंजन** शब्द कहलाते हैं; जैसे– कच्चा, पक्का, गन्ना, चम्मच आदि।

वर्ण-विच्छेद: वर्ण-विच्छेद का अर्थ है, वर्णों को एक-दूसरे से अलग करना या शब्दों को अलग-अलग इकाई में बाँटना; जैसे–

नाम	=	न् + आ + म् + अ	राजा	=	र् + आ + ज् + आ
लौटा	=	ल् + औ + ट् + आ	मैना	=	म् + ऐ + न् + आ

वर्ण-संयोग: अलग-अलग वर्णों को एक साथ मिलाना वर्ण संयोग कहा जाता है; जैसे–

प् + र् + अ + स् + आ + द् + अ = प्रसाद

आ + श् + ई + र् + व् + आ + द् + अ = आशीर्वाद

ब् + औ + द् + ध् + इ + क् + अ = बौद्धिक

आइए, पुनरावृति करें

- **वर्ण**– उच्चरित ध्वनि का लिखित स्वरूप हैं, जिनके आगे और टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं।
- **वर्णमाला**– वर्णों का व्यवस्थित समूह वर्णमाला कहलाता है।
- **स्वर**– स्वरों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से किया जाता है।
- **व्यंजन**– व्यंजन के तीन भेद होते हैं। स्पर्श, अंत:स्थ एवं ऊष्म व्यंजन।
- **द्वित्व व्यंजन**– जब एक ही व्यंजन दो बार प्रयुक्त होता है, तो उसे द्वित्व व्यंजन कहते हैं।
- **संयुक्त व्यंजन**– जब कोई वर्ण दो व्यंजनों के संयोग से बनता है।
- **वर्ण-विच्छेद**– वर्णों को अलग-अलग करना वर्ण-विच्छेद कहा जाता है।
- **वर्ण-संयोग**– अलग-अलग वर्णों को मिलाकर वर्ण या शब्द बनाना वर्ण संयोग कहलाता है।

अध्यापन संकेत बच्चों को यह अभ्यास करवाएँ कि वर्ण में स्वर किस तरह छिपा हुआ होता है अर्थात् यदि वर्ण को आधा लिखना हो तो हम हलंत (्) का प्रयोग कैसे और क्यों करते हैं?

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) संयुक्त व्यंजन कितने वर्णों के संयोग से बनता है?

(ख) वर्णों के व्यवस्थित समूह को क्या कहते हैं?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) भाषा की सबसे छोटी इकाई क्या है?

(ख) वर्ण की परिभाषा एवं उसके भेद बताइए।

(ग) अयोगवाह वर्ण क्या होते हैं?

(घ) संयुक्त व्यंजन और द्वित्व व्यंजन का उदाहरण दीजिए।

2. दिए गए शब्दों के वर्ण-विच्छेद कीजिए।

(क) परीक्षा = ...

(ख) सहायता = ...

(ग) चम्मच = ...

(घ) परिश्रम = ...

(ङ) दैनिक = ...

3. दिए गए वर्णों को उनके समूह नाम से मिलाइए।

(क)	अ, इ, उ, ऋ	(i)	प्लुत स्वर
(ख)	ङ, न, म	(ii)	अयोगवाह
(ग)	न्न, म्म	(iii)	अंत:स्थ व्यंजन
(घ)	क्ष, त्र, ज्ञ	(iv)	दीर्घ स्वर
(ङ)	आ, ओ, ऐ	(v)	ह्रस्व स्वर
(च)	च, छ, ज	(vi)	पंचमाक्षर
(छ)	य, र, ल, व	(vii)	चवर्ग
(ज)	अं, अः	(viii)	संयुक्ताक्षर
(झ)	आओ३, महेश३	(ix)	द्वित्व व्यंजन

EDITONE INTERNATIONAL

4. दो व्यंजन को मिलाकर बनने वाला व्यंजन लिखिए।

(क) क् + ष = ...

(ख) त् + र = ...

(ग) श् + र = ...

(घ) ज् + ञ = ...

5. दिए गए रिक्त स्थानों में आगत ध्वनियों से निर्मित शब्द लिखिए।

(क) ..... (ख) .....

(ग) ..... (घ) .....

(ङ) ..... (च) .....

(छ) ..... (ज) .....

6. संयुक्त व्यंजन से निर्मित शब्दों को लिखिए।

(क) ..... (ख) .....

(ग) ..... (घ) .....

(ङ) ..... (च) .....

(छ) ..... (ज) .....

सोचें-विचारें

Critical Thinking

7. संयुक्त व्यंजन और संयुक्ताक्षर के दो-दो उदाहरण दीजिए।

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

8. संयुक्ताक्षर एवं संयुक्त व्यंजनों को अलग-अलग कीजिए।

ख्य	त्र	द्व	ध्य
श्र	फ्त	क्ष	ज्ञ

प्रेरणादायक मूल्य

भाषा ही विचारों एवं भावों की जननी है। इसलिए प्रत्येक भाषा का सम्मान कीजिए।

EDTONE INTERNATIONAL